

महलक्ष्मि अशतकम्
नमोऽस्तुते महामये,
स्त्रीपीठे, सुरपूजिते,
सङ्क, चक्र, गन्धहस्तैः,
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., १
नमोऽस्तुते गरुडरुदे,
कोलसुरभयमकरि,
सर्वपपहरे, देवि,
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., २
सर्वगुणे सर्ववरधे,
सर्वदुष्टभयमकरी,
सर्वदुःखहरे, देवि,
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., ३
सिद्धिबुद्धिप्रदो देवि,
भक्तिमुक्तिप्रदायिनी,
मन्त्रमूर्ति, सदा देवि,
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., ४
अध्यन्त रहिते, देवि,
अधि शक्तिमहेश्वरि,
योगजे योगसम्भूते,
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., ५

स्थूल सुक्ष्म मह रौध्रे,
मह शक्ति महो धरे,
मह पप हरे देवि,
मह लक्ष्मि नमोस्तुते., ६
पद्मसन स्थिते, देवि,
पर ब्रह्म स्वरूपिनि,
पर मेसि, जगन मथ,
मह लक्ष्मि नमोस्तुते., ७
स्वेथम्बर धरे, देवि,
ननलन्कर भूशिते,
जगत स्थिते, जगन मथ,
मह लक्ष्मि नमोस्तुते., ८
मह लक्ष्म्यशतकम स्तोत्रम,
य पदेथ भक्तिमन नर,
सर्व सिधि मवप्नोथि,
रज्यम प्रप्नोथि सर्वध.